are operated by the Overseas Communications Service for handling international telecommunication traffic via INTELSAT, Indian Ocean Satellite.

Four satellite earth stations are experimental. Two of these are located at Ahmedabad and Delhi. The other two are mobile transportable type. These are used for conducting experiments with various satellites. These are operated by the Indian Space Research Organisation.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: Is Government going to increase the number of stations?

SHRI GEORGE FERNANDES: There is no such proposal at the moment: nor is there any need for increasing the number of stations. The existing two stations are capable of meeting all our traffic.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Will the Minister inform the House whether these stations will also be interested in earth-resources technique studies—that is, studies of the resources of the earth in our country?

SHRI GEORGE FERNANDES: At the moment these stations are concerned only with our telephone, telex and telegraph traffic; they are not concerned with any other activity.

AN HON. MEMBER: May I know whether the Government is satisfied with the effectiveness of the earth station near Pune?

SHRI GEORGE FERNANDES: Yes, Sir, it is handling all the overseas telephones, tele-communications and telex traffic.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: Are you going to utilise them for the transfer of printing work?

SHRI GEORGE FERNANDES: No, I don't think so.

Accounts of Vishwayatan Yogashram and Central Institute of Yoga, New Delhi

*64. DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) the amount of grant-in-aid, financial assistance and other concessions to Vishwayatan Yogashram and Central Institute of Yoga in New Delhi and its branches located out of Delhi during the last three years and the reasons therefor;

(b) whether Government have ensured that these grants etc. have been utilised for the purpose for which these had been sanctioned;

(c) whether the accounts of the above institutions have been audited and if so whether a copy of the audit reports will be laid on the Table of the House for each of the said years; and

(d) whether Government propose to institute an enquiry on the functioning of the institutions?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : (क) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया है। [ग्रन्थालय में रखा गया । देखिए संख्या एल० टी० 360/77].

(ख) और (ग) विननिकल अनुसंधान एकक (योग) : योग के केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान तथा विश्वायतन योगाश्रम की नई दिल्ली एवं कटरा वैष्णों देवी में स्थित शाखाओं की वर्ष 1974-75 और 1975-76 के लिए जो अनुदान मंजूर किए गए थे उन के लेखों की लेखा-परीक्षा एक चार्टर्ड लेखाकार द्वारा की गई है, जिन्होंने इस पर कुछ टिप्पणियां की है। लेखों के लेखा परीक्षित विवरण की प्रतियां सभा पटल पर रख दी गई है। [ग्रन्थालय में रखी गयीं देखिए संख्या एल० टी० 360/77]

(च) क्लिनिकल अनुसंधान एकक (योग) और योग के केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान को जो अनुदान मंजूर किए गए थे उन के उपयोग के बारे में पहले ही जांच की जा चुकी है। शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा विश्वायतन योगाश्रम को जो अनुदान मंजूर किए गए थे, उन के उपयोग के बारे में इसी प्रकार की एक जांच का आयोजन किया जा रहा है। जो जांच पहले ही पूरी हो चुकी है उस के परिणामस्वरूप दोनों योग संस्थाओं का प्रबंध केन्द्रीय सरकार ने 24 मई, 1977 को एक अध्यादेश जारी कर अपने हाथ में ले लिया है।

डा० मुरली मनोहर जोशी : क्या मंत्री जी बतलायेंगे कि जो विवरण आपने सभा पटल पर रखा है, उस में आय-कर के संबंध में कुछ ऐसी बात कही गई है कि मैनेजिंग ट्रस्टी द्वारा कोई ऋण लिया गया था, उस के ब्याज में से आय-कर नहीं काटा गया और न सरकार को दिया गया। इसके बारे में चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट ने सिफारिश की है कि शायद आश्रम को इस उल्लंघन के लिए पैनेल्टी देनी पड़े ?

इन के जो फिक्स्ड-एसैट्स रजिस्टर हैं, वे प्रतिदिन के हिसाब मे नहीं रखे गए हैं—क्या इस के बारे में सरकार ने कोई जांच की है ?

इन के यहां स्टाक रजिस्टर भी प्रतिदिन के हिसाब से नहीं रखा गया है। उस में कई ऐसे आइटम्स हैं जो कामन हैं, फिक्सड एसेट्स और सैलेबिल एसेटस के रूप में हैं। इस के अतिरिक्त किसी ब्रांच या यूनिट का जो कन्सीलिडेटेड एकाउन्ट होता है, समेकित वह भी नहीं रखा गया है। क्या इन सब बातों के बारे में कोई जांच की कार्यवाही हो रही है। यदि हो रही है तो उस की समीक्षा कीजिए।

श्री राज नारायण : श्रीमन् आप की आज्ञा से मैं यह चाहूंगा कि इस की जो विस्तृत रपट है, वह सदन के सदस्यों की जानकारी के लिए मैं पढ़ दूं ताकि इस प्रकार के अन्य प्रश्न फिर न उठा करें :

"विश्वायतन योगाश्रम नाम की एक रजिस्टर्ड सोसाइटी 1940 में स्थापित की गई थी। इस सोसयटी के उद्देश्यों में अन्य बातों के साथ साथ यह भी निहित है कि योग-विज्ञान के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और शिक्षण को बढ़ावा दिया जाय। इस सोसाइटी का प्रबंध एक बोर्ड आफ ट्रस्टी करता है और उस बोर्ड आफ ट्रस्टी के वर्तमान सदस्य इस प्रकार हैं :

(1) स्वामी धीरेन्द्र ब्रह्मचारी
मैनेजिंग ट्रस्टी

श्री के० एस० चावड़ा: वे ब्रह्मचारी हैं ? आप ने क्या नाम पढ़ा ?

श्री राज नारायण : स्वामी धीरेन्द्र ब्रहचारी। इसमें ब्रह्मचारी लिखा है, आप चाहे दुराचारी कहें। मैं ने तो ब्रह्मचारी पढ़ा है। आप के मन में दुराचारी शब्द अपने आप उत्पन्न हो, तो क्या करें।

श्री ओम प्रकाश त्यागी : कोर्ट में उन के खिलाफ व्यभिचार का केस है।

श्री राज नारायण : दूसरे हैं, श्री वेद व्यास, एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, अध्यक्ष और ट्रस्टी

(3) श्री जीतेन्द्र महाजन, एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट.....ट्रस्टी

(4) श्री एस० एन० मिश्र, भतपूर्व संसद् सदस्य.....ट्रस्टी

(5) शिक्षा मंत्रालय का प्रतिनिधि (श्री ए० एस० तलवाड़, उप-सचिव)..... ट्रस्टी

(6) भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी की केन्द्रीय अनुसंधान परिषद् के निदेशक (डा० पी० एन० वी० कुरुप).ट्रस्टी

2. दिल्ली और कटरा वैष्णवी देवी स्थित योगाश्रम के दो केन्द्रों को आवर्ती और अनावर्ती खर्च के लिए शिक्षा मंत्रालय 1957-58 से अनुदान देता आ रहा है ।

जरा ध्यान से सुनिये । उस समय शिक्षा मंत्री कौन थे, जान लीजिए मौलाना साहब ।

"1963 में शिक्षा मंत्री के पास इस योगाश्रम के विरुद्ध गबन और जालसाजी आदि संबंधी शिकायतें पहुंचने के परिणाम-स्वरूप इसे आगे दिए जाने वाले सारे अनुदान रोक देने और विशेष पुलिस स्थापना तथा महालेखाकार को इसकी जांच का काम सौंप देने का निर्णय किया गया था । जांच के फलस्वरूप 1963-64 और 1964-65 में कोई अनुदान नहीं दिया गया । किन्तु योगाश्रम के कार्य सम्बन्धी कार्यक्रम का मूल्यांकन करने के लिए नियुक्त की गयी एक विशेष समिति की सिफारिश पर शिक्षा मंत्रालय ने 1965-66 से आगे अनुदान देना शुरु कर दिया । 1976-77 तक इस योगाश्रम के इन दो केन्द्रों को आवर्ती खर्च के लिए 10.67 लाख रुपए और अनावर्ती खर्च के लिए 4.53 लाख रुपए की कुल रकम दी गई ।"

भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्यो-पैथी की केन्द्रीय अनुसंधान परिषद एक ऐसी संस्था है जो स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन है और इसका काम स्वदेशी दवाओं और होम्यो पैथी में अनुसंधान करना है । यह विश्वायतन योगाश्रम, नई दिल्ली में प्रबंध ट्रस्टी स्वामी धीरेन्द्र ब्रह्मचारी के चार्ज के अधीन एक ऐसा क्लिनिकी अनुसंधान एकक (योग) खोलने के लिए सहमत हो गई जिसमें मधुमेय, दमा आदि जैसे विभिन्न रोगों पर योग के प्रभावों का और स्वस्थ व्यक्तियों के लिए विभिन्न अंगों पर योग की क्रियाओं के प्रभावों का अध्ययन किया जाना निश्चित हुआ । इस क्लिनकी अनुसंधान एकक का भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी की केन्द्रीय अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित अनुदान दिए थे :—

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It does not matter. No further supplementaries now. It gives us full information.

श्री राज नारायण : अध्यक्ष महोदय, ये अनुदान इस प्रकार दिये :—

1969-70	30,000 रु०
1970-71	1,89,875 रु०
1971-72	3,41,727 रु०.
1972-73	2,35,000 रु०
1973-74	2,44,770 रु०
1974-75	3,00,000 रु०
1975-76	5,00,000 रु०
1976-77	8.00,000 रु०

श्रीमन् इस तरह कुल मिला कर इनको 42 लाख रुपया दिया गया । यह शिक्षा विभाग और हमारे स्वास्थ्य विभाग दोनों की ओर से दिया गया ।

भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्यो-पैथी की केन्द्रीय अनुसंधान परिषद् के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (योग) की सिफारिशों के आधार पर, परिषद् की कार्यपालक समिति ने 4-8-73 को हुई अपनी बैठक में सिद्धांततः यह बात मान ली कि विश्वायतन योगाश्रम स्थित सहायता अनुदान से चल रहे क्लिनिकी अनुसंधान एकक (योग) को केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान के रूप में बदल कर एक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (योग) खोल दिया जाए । यह केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान एक रजिस्टर्ड सोसाइटी के रूप में 1-1-76 से खोला गया था ।

SOME HON. MEMBERS: What is this? If the hon. Minister goes on like this, what will happen to other questions?

MR. SPEAKER: This gives full information. No furthtr supplementarries now. In one way it is good. The Minister should conclude now.

SHRI S. R. DAMANI: Are you going to allow him to read out the whole statement?

MR. SPEAKER: He has to give figures—so many lakhs in one year. He so many lakhs in another year. He cannot make a mistake. Every Minister has to read it correctly. After all lakhs of rupees are involved.

SHRI A. C. GEORGE: Is it an exercise?

श्री राज नारायण : इस मंत्रालय ने विश्वायतन योगाश्रम क्लिनिकी अनुसंधान एकक (योग) को और बाद में केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (योग) को दिए गए धन के उपयोग के बारे में जांच करने के लिए एक अधिकारी को नियुक्त किया था । जांच अधिकारी ने जो रिपोर्ट दी है उसमें धन के उपयोग में घोर अनियमितताओं और विशेषकर निम्नलिखित बातों का होना बताया गया है :—

(1) केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (योग) के निदेशक स्वामी धीरेन्द्र ब्रह्मचारी धनराशियों के इस्तेमाल के मामले में बिना किसी अधिकार के कार्य करते रहे हैं ;

(2) मूल सम्पत्ति, भण्डार और उपभोज्य वस्तुओं आदि का कोई हिसाब किताब नहीं रखा गया है ;

(3) संदेहास्पद मूल्य की इमारतों और सम्पत्तियों को फर्जी स्थानान्तरण द्वारा बनाया गया है ;

(4) लेखों को उपयुक्त रूप से नहीं रखा गया है ।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा दिए गए अनुदानों के संबंध में भी लेखा परीक्षा अधिकारी के प्रतिकूल टिप्पणियां की हैं । शिक्षा मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए अनुबंध में दिए गए संक्षिप्त विवरण में यह ज्ञात होता है कि विश्वायतन योगाश्रम में अव्यवस्था हुई है । इसके अतिरिक्त निर्माण और आवास मंत्रालय द्वारा गोल डाकखाने के पास दी गई जमीन का भी उचित उपयोग नहीं किया गया है ।

यह स्पष्ट हो गया है कि विश्वायतन योगाश्रम के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई धनराशियों के बारे में उचित लेखे नहीं रखे गए हैं और "विश्वायतन योगाश्रम" के नाम विदित सोसाइटी के कार्य में अव्यवस्था हुई है । इसी प्रकार केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (योग) का प्रशासन उपयुक्त रूप से नहीं चलाया गया है और यदि वर्तमान प्रशासन को जा ी बनाये रखने की अनुमति दी गई तो सरकारी धनराशि का दुरुपयोग होते रहने की संभावना है ।

अत: जन हित में तथा उपर्युक्त व्यवस्था रखने के लिए यह अवश्यक समझा गया है कि सरकार विश्वयातन योगाश्रम तथा केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, योग के प्रबंध को प्रारम्भ में दो वर्ष की अवधि के लिए अपने हाथ में ले ले और सरकार के पास इस अवधि को कुल पांच वर्ष की अवधि तक बढ़ाने की भी शक्ति हो । जहां एक और विश्वायतन योगाश्रम और केन्द्रीय अनुसंधान (योग) को चलाने सम्बन्धी सामान्य नीति सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी जो प्रत्येक संस्था के लिए निर्धारित मेमोरेंडम आफ एसोसियेशन और नियमों तथा विनियमों के अनुसार ही होगी वहां दूसरी ओर सरकार विश्वायतन योगाश्रम और केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (योग) के दिन प्रतिदिन का प्रशासन चलाने के लिए एक प्रशासक को नियुक्त कर सकती है । जब तक प्रबन्ध सरकार के हाथ में रहेगा इन संस्थाओं को चलाने के लिए

आवश्यक धन स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दिया जाएगा । विधि तथा शिक्षा मंत्रालयों ने अपनी सहमति दे दी हैं । वित्त मंत्रालय की सहमति भी प्राप्त कर ली है ।

इनके पास एक हवाई जहाज भी है । इसका ये बिल्कुल अनियमित ढंग से उपयोग करते रहे हैं । हवाई जहाज कैसे आया, कहां से आया, कब और कहां ले जाते हैं, क्या करते है, इसकी कोई जानकारी नहीं है ।

डा० मुरली मनोहर जोशी : क्या यह हवाई जहाज श्रीमति इंदरा गांधी और श्री संजय गांधी के कहने पर लिया गया था ?

श्री राज नारायण : जो हवाई जहाज आया है वह श्री संजय गांधी की इच्छा पर आया और जहां चाहते थे उसका इस्तेमाल करते रहे हैं । इस में कोई छिपाने की बात नहीं है ।

थोड़ी सी इत्तिला मैं आपको और देना चाहता हूं .....

MR. SPEAKER: When they ask the question you can answer.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He has answered so well and so elaborately I will go to the next question.

(*Interruptions*)

MR SPEAKER: He has given the whole information

(*Interruptions*)

MR SPEAKER: Will you kindly sit down Mr Halder? What is all this? You must sit down now.

(*Interruptions*)

MR SPEAKER: If the House has the pleasure, I will allow each and everybody.

श्री राज नारायण : थोड़ी सी जानकारी मैं आपकी आज्ञा से और दे देना चाहता हूं । यह इनकी रिट पैटीशन है । इसको सुनने से आप समझ जाएंगे कि क्या इनका पालिटिक्स है । इस में यह लिखा है :

MR. SPEAKER: Do you want to read the whole writ petition?

SHRI RAJ NARAIN: This is a writ petition filed by him in the Supreme Court.

MR. SPEAKER: You need not read it.

SHRI RAJ NARAIN: I am not going to read the whole of it.

"Because the impugned ordinance is the result of the *mala fide* action of the Respondent who without any justification any material in their possession have tried to penalise Petitioner No. 1 by way of revenge and retaliation in view of his association with the family of former Prime Minister Shrimati Indira Gandhi. The present Health Minister Shri Raj Narain who contested election against Shrimati Indira Gandhi, the former Prime Minister of India, has used this ordinance to take full revenge on the first Petitioner....."

यह चार्ज हमारे ऊपर लगाया गया है । कह रहे हैं पैटिशन में कि इंदिरा गांधी के परिवार के साथ हमारा पुराना सम्बन्ध है । यह भी लिखा है कि श्री जवाहरलाल नेहरु से भी हमारा सम्बन्ध था । उनके समय से मैं बराबर आता जाता रहा हूं, योग वगैरह के बारे में उन से बातचीत करता रहा हूं । सब चीजें इस में हैं ।

MR. SPEAKER: He has given very detailed information. You cannot have one question for the whole one hour.

I thin what he has given would be enough for the whole session.

श्री राज नारायण : जो सूचना मुझे से देने से बची है वह माननीय सद य रोज अखबारों में पढ़ते होंगे ।

SHRI L. K. DOLEY: We do not have any objection to his personal vengence against the former Prime Minister and Shri Jawaharlal Nehru. The exceptional protection given to him to make such a long statement preventing others from asking supplementary questions is undesirable. We have to put questions.

MR. SPEAKER: There are a number of other questions. You can put a question later on. Please sit down.

Proposal for improvement of Calcutta Telephone

*66. SHRI SAMAR GUHA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether complaints have been voiced by the people and press of Calcutta against functioning of Calcutta Telephones, and especially regarding operation of 'Cross-Bar' system of new exchanges;

(b) if so, the reaction of the Government thereabout;

(c) whether the Government promised on several occasions earlier regarding (i) giving additional phone connections (ii) connecting Calcutta through STD with other cities of India and (iii) improving its operational system; and

(d) if so, the steps taken or proposed to be taken by the Government for development and improvement of Calcutta Telephones?

SHRI GEORGE FERNANDES: We CATIONS (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) and (b). Complaints have been received. A special programme for improving the functioning of the various exchanges of the Calcutta Telephone System, the indoor and outdoor plant and equipment and the subscribers' fittings and installations is under way.

(c) and (d). Over 28,000 new telephone connections have been provided during the last 3 years. Installations are in progress to add 40,000 lines to the telephone system most of which are expected to be completed by March 1978 when a substantial portion of the present waiting list would be cleared.

Calcutta stands connected to 19 towns on STD including Delhi, Bombay, Madras, Patna, Hyderabad, Bhubaneswar and Muzaffarpur.

To improve the operational efficiency about 50 per cent of the subscribers installations would be inspected and attended to this year. All strowger equipment is being overhauled and cross-bar exchange equipment is being upgraded. Underground cables are being pressurised. Some administrative and commercial work is being gradually de-centralised and put under the Area Managers.

SHRI SAMAR GUHA: Recently a few new exchanges of the cross-bar system have been installed in Calcutta. It is a general complaint of all the subscribers that these cross-bar systems have miserably failed to function. In his statement the Minister said that he wants to upgrade it. I just want to know whether this is due to the chemical fault in the system itself or due to any operational fault. I have myself some experience of the cross-bar system and on my request they reverted to the other system. What I want to know is this. I want to know whether the difficulty is due to the equipment itself or due to operational faults and so on. If so I want to know how you are going to handle this matter.

SHRI GEORGE FERNANDES: We have number of problems in Calcutta. There was this problem with the cross-bar system but many improvements were made in the cross-bar